वर्ष 2002 के प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार

सरकार ने आज दिनांक 25/01/2003 को केन्द्र और राज्य सरकारों के विभागीय उपक्रमों में कार्यरत 35 कर्मचारियों/कामगारों के लिए उनके विशिष्ट कार्य-निष्पादन, अभिनव कौशल, उत्पादकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान तथा अद्वितीय साहस और सूझ-बूझ के प्रदर्शन हेतु वर्ष 2002 के प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कारों के घोषणा की।

इस वर्ष श्रम रत्न पुरस्कार के लिए कोई भी कामगार उपयुक्त नहीं पाया गया। इस तरह, श्रम रत्न पुरस्कार के बदले में एक पुरस्कार सहित तीन श्रम भूषण इस साल चयनित हुए। इनके अतिरिक्त श्रम वीर के लिए छह प्रविष्टियां और श्रम श्री/श्रम देवी पुरस्कारों के लिए आठ प्रविष्टियां चयनित हुईं। यद्यपि, श्रम पुरस्कारों की कुल संख्या केवल 17 है, पुरस्कार पाने वाले कामगार 35 हैं (जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं), क्योंकि कुछ पुरस्कार कामगारों के समूहों को दिए गए जिनमें एक से अधिक व्यक्ति थे।

श्रम रत्न

श्रम पुरस्कारों में यह सर्वोच्च (संख्या में एक) पुरस्कार है और इसमें 2,00,000 रु. नकद राशि के साथ एक 'सनद' प्रदान किया जाता है। श्रम रत्न पुरस्कार के लिए कोई भी उम्मीदवार उपयुक्त नहीं पाया गया। समिति ने इस पुरस्कार को श्रम भूषण पुरस्कार के वर्ग में वितरण करने का निश्चय किया।

श्रम भूषण

श्रम भूषण पुरस्कार की कुल संख्या तीन है (योजना के अनुसार दो और श्रम रत्न के स्थान पर तीसरा)। प्रत्येक में 1,00,000 रु. का नकद पुरस्कार और एक सनद प्रदान किया जाता है। श्रम भूषण पुरस्कार पाने वाले इस प्रकार हैं- भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई के श्री अरविन्द कुमार साह, आलोक कुमार श्रीवास्तव, अवनीश मिश्र, संजय कुमार सिंह और घनश्याम शर्मा (संयुक्त रूप से); भेल, हरिद्वार के श्री राम चंद्र मल्होत्रा और राष्ट्रीय राजधानी पावर स्टेशन, दादरी (एनटीपीसी) के श्री विष्णुकांत सिंह कुशवाह और मंजीत सिंह (संयुक्त रूप से)।

श्रम वीर

60,000 रु. नकद और एक 'सनद' वाले छह श्रम वीर पुरस्कार दिए गए। श्रम वीर पुरस्कार पाने वाले हैं: बोकारो स्टील प्लांट (सेल) के श्री बासुदेव चौधरी; भेल, बंगलौर के श्री एस. राजेन्द्रन; राउरकेला स्टील प्लांट के श्री सुनील कुमार पाणिग्रही; रिसर्च सेंटर इमारत, हैदराबाद (डीआरडीएल) के श्री जुनेती सत्यनारायण; सिंगरौली सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एनटीपीसी) के श्री सर्बदा मिश्र और पंचम प्रसाद (संयुक्त रूप से) और नौसैनिक डॉकयार्ड, विशाखापत्नम के श्री ए. अप्पलकोंडा तथा न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद के श्री इन्दुकुरी वेंकट रामराजू, नैने श्यामराज, मोहम्मद अब्दुल सलीम दुर्रानी और दंड चंद्र मोहन रेड्डी (संयुक्त रूप से)।

श्रम श्री / श्रम देवी

श्रम श्री/श्रम देवी पुरस्कार (संख्या में आठ) में 40,000 रु. नकद और एक 'सनद' प्रदान किया जाता है। एचएमटी घड़ी फैक्ट्री, बंगलौर की श्रीमती थन्नपा लक्ष्मम्मा और सुश्री कमलम्मा (संयुक्त रूप से) दो महिला श्रमिकों को श्रम देवी पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसके अलावा, सात प्रविष्टियों को भी श्रम श्री पुरस्कार के लिए चुना गया है। ये हैं; भेल, त्रिची के श्री टी. राजेंद्रन; भेल, त्रिची के श्री एस. संधनम; बीईएल, बंगलौर के श्री चन्द्र मोगर; भिलाई इस्पात संयंत्र के श्री राम कुमार ठाकुर; दक्षिण रेलवे, त्रिची के श्री जी.एस. गोपालकृष्णन; एचएएल, नासिक के श्री प्रभात कुमार संयुक्त रूप से, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कालपक्कम के श्री दुरैराजन गणेशन और भिलाई इस्पात संयंत्र के श्री सुमारत लाल उआईके, बाबू लाल, शंकर लाल कुर्रे, धन सिंह चंद्राकर, कृष्णा; और एचएमटी वॉच (घड़ी) फैक्ट्री, बंगलौर के श्री. गिरीश कुमार उरूवल संयुक्त रूप से, और एचएमटी वॉच (घड़ी) फैक्ट्री, श्रीनगर के श्री अब्दुल राशिद खान।